POLSTRAT x TEAM CVOTER® we read the pulse of the nation

COVID-19 पोल

पूरे कोरोनावायरस लॉकडाउन अवधि के दौरान मात्र 13% भारतीय परिवारों के पास राशन के लिए पर्याप्त धन था जिनसे कुछ दिनों तक उनका गुजारा हो सकता था।

कोरोनोवायरस संकट पर देश की विचार को समझने की प्रयास में, **टीम C-voter**, 16 मार्च 2020 से 18+ वयस्कों के बीच, एवं हर प्रमुख जनसांख्यिकीय सहित दैनिक ट्रैकिंग सर्वेक्षण आयोजित कर रहा है। पोल ने देश भर के उत्तरदाताओं से उनके घर में वायरस के साथ भोजन/राशन की उपलब्धता के डर से उनकी विचारों के साथ-साथ उनकी आर्थिक और सामाजिक भलाई के बारे में सवाल पूछे।

टीम पोलस्ट्रैट ने पिछले कुछ महीनों से चल रहे कोरोनावायरस लॉकडाउन के दौरान भारतीयों के घरों में भोजन/राशन (या भोजन या राशन के लिए पैसा) की उपलब्धता में बदलाव का विश्लेषण किया है।

आपके घर में आपके परिवार के लिए कितने दिन का राशन/दवा आदि या राशन/दवा आदि के लिए पैसा उपलब्ध है?

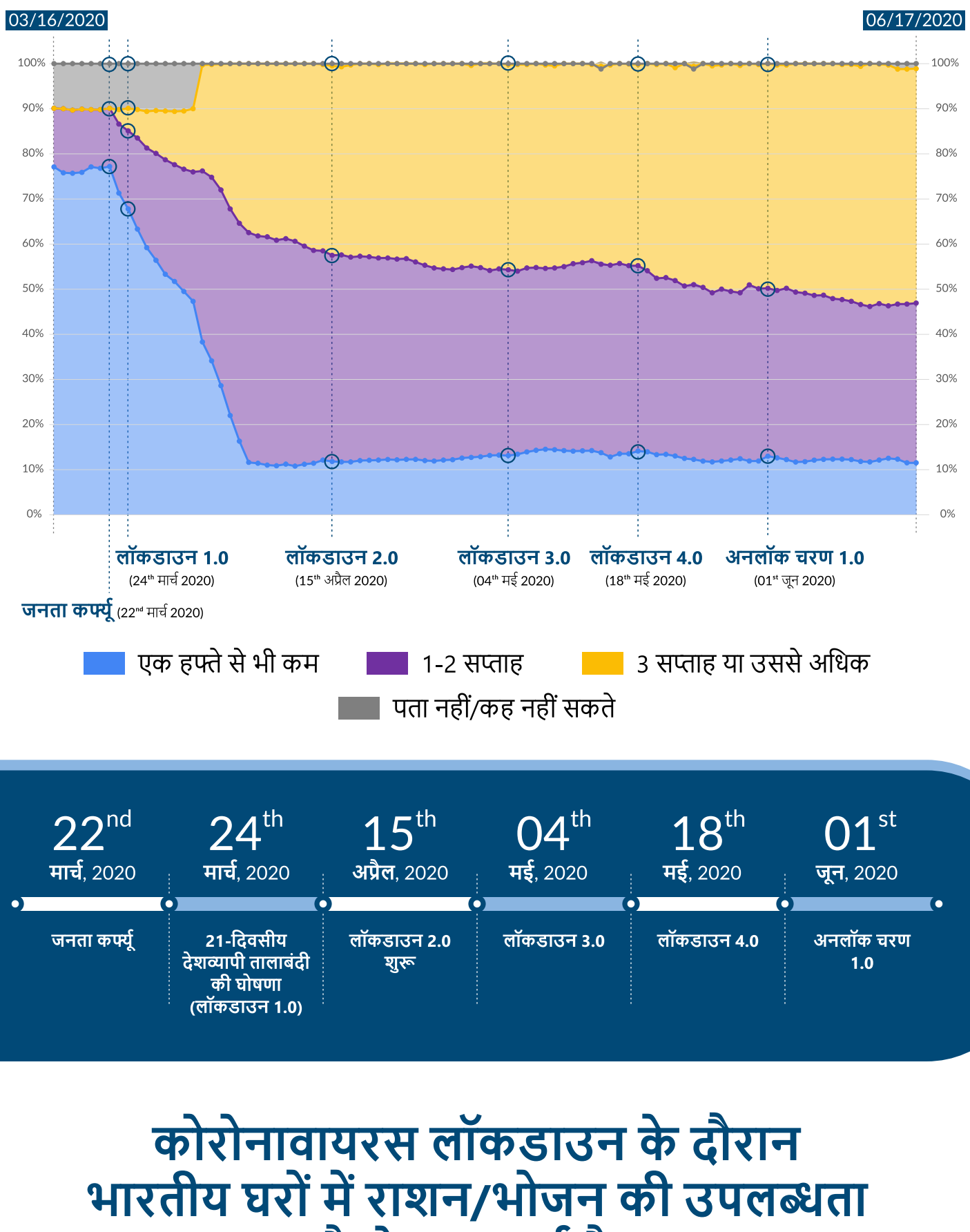

22nd मार्च, 2020 — जनता कर्फ्यू

24th मार्च, 2020 — 21-दिवसीय देशव्यापी तालाबंदी की घोषणा (लॉकडाउन 1.0)

15th अप्रैल, 2020 — लॉकडाउन 2.0 शुरू

04th मई, 2020 — लॉकडाउन 3.0

18th मई, 2020 — लॉकडाउन 4.0

01st जून, 2020 — अनलॉक चरण 1.0

कोरोनावायरस लॉकडाउन के दौरान भारतीय घरों में राशन/भोजन की उपलब्धता कैसे बदल गई है?

22 मार्च तक की जनता कर्फ्यू वाले दिनों में, **75% से अधिक भारतीय** परिवारों के पास **मात्र एक हफ्ते से भी कम समय तक की गुजारे** के लिए **राशन/पैसा** था।

हालांकि, **24 मार्च को पहली बार देशव्यापी बंद** की घोषणा के बाद, **परिवारों ने धीरे-धीरे राशन स्टॉक करना शुरू कर दिया,** जिसमें **4 अप्रैल तक केवल एक सप्ताह से कम राशन के लिए लगभग 22%** राशन/पैसा था।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि **लॉकडाउन के विभिन्न चरणों में, अप्रैल और मई के महीनों** के दौरान, लगभग **11-13% भारतीयों ने अभी भी एक सप्ताह से कम समय** के लिए राशन के लिए **राशन/धन होने की सूचना दी थी। 1.35 बिलियन संख्या वाली देश के लिए,** यह लगभग **150- 175 मिलियन लोगों की निर्वाह** कर सकने मात्र की उल्लेख है।

पहली जून को **अर्थव्यवस्था के खुलने के बाद,** और **8 जून को अनलॉक अवधि की शुरुआत** के बाद भी, अधिकांश **भारतीय परिवारों ने स्टॉक करना जारी रखा गया है,** जिनमें से **50% से अधिक के पास 3 सप्ताह से अधिक के लिए पर्याप्त राशन था।**

वर्तमान सर्वेक्षण के निष्कर्ष और अनुमान हर प्रमुख जनसांख्यिकीय सहित राज्यव्यापी 18+ वयस्कों के बीच 22 मार्च 2020 से 17 जून 2020 तक किए गए **टीम C-Voter** दैनिक ट्रैकिंग पोल पर आधारित हैं।

डेटा को हर राज्य के ज्ञात जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल में शामिल किया जाता है, जिसमें आयु समूह, सामाजिक समूह, आय, क्षेत्र, लिंग और शिक्षा स्तर शामिल हैं।

| सोशल मीडिया पार्टनर

अधिक जानकारी के लिए:

polstrat.com | teamcvoter.com